शहर में 'फ्रेश जूस' पर गंदगी का आलम

▶ फ्रोजन पल्प और खराब तापमान नियंत्रण से स्वास्थ्य जोखिम

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. गर्मियों में ताजे फलों का जूस स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इंदौर के कई जूस सेंटरों और सड़क किनारे संचालित जूस गाड़ियों की हकीकत इस भरोसे पर सवाल खड़े कर रही है.

खाद्य सुरक्षा विभाग के निरीक्षण में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई है. ऐसे में यह चिंता बढ़ गई है कि लोग सेहत सुधारने के लिए जूस पी रहे हैं या अनजाने में अपनी सेहत को खतरे में डाल रहे हैं.

कई जूस मिक्सर में सफाई का अभाव

शहर के कई जूस सेंटरों पर बिना उचित सफाई के मिक्सर में लगातार अलग-अलग फलों का जूस तैयार किया जा रहा है. मिक्सर और अन्य उपकरणों की नियमित सफाई नहीं होने से संक्रमण और खाद्य जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी बैक्टीरिया के तेजी से पनपने का कारण बन सकती है.

तापमान मानकों के अनुरूप नहीं

विभाग के अनुसार अधिकांश जूस गाड़ियों और छोटे जूस सेंटरों में लगे डीप फ्रीजर आवश्यक तापमान बनाए रखने में सक्षम नहीं होते. कई स्थानों पर फ्रीजर का तापमान मानकों के अनुरूप नहीं होता जिससे फ्रोजन पल्प और फलों की गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है.

कोल्ड स्टोरेज में मिलीं गंभीर अनियमितताएं

खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि हाल के निरीक्षणों में कई कोल्ड स्टोरेज और गोदामों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं. कुछ स्थानों पर तापमान मापने वाले मीटर और डिस्प्ले खराब मिले, जबकि कई जगह निर्धारित तापमान बनाए रखने की व्यवस्था नहीं थी. कई कोल्ड स्टोरेज में कैलिब्रेशन संबंधी खामियां भी सामने आईं, जिसके चलते विभाग ने कार्रवाई की. उन्होंने बताया कि फ्रोजन फलों और पल्प को निर्धारित तापमान से नीचे सुरक्षित रखना जरूरी होता है. तापमान नियंत्रण में गड़बड़ी आने पर उत्पाद खराब हो सकता है और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है.

प्राकृतिक गुण हो सकते हैं प्रभावित

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संतोष वर्मा के अनुसार फलों को ऑक्सीकरण से बचाकर फ्रोजन किया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक संरक्षित रखने की प्रक्रिया में उनके कुछ प्राकृतिक गुण प्रभावित हो सकते हैं. उन्होंने बताया कि ऐसे पल्प का उपयोग जल्द से जल्द किया जाना चाहिए, क्योंकि सामान्य तापमान पर आने के बाद उसके खराब होने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है. डॉ. वर्मा ने कहा कि अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार जूस बच्चों और वयस्कों दोनों में उल्टी, डायरिया और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है. गर्मी के मौसम में लोगों को अधिक से अधिक ताजे और प्राकृतिक फलों से तैयार जूस का सेवन करना चाहिए.

▶ फ्रोजन फ्रूट पल्प का बढ़ता इस्तेमाल

कई जूस सेंटर मौसमी और ताजे फलों के बजाय फ्रोजन फ्रूट पल्प का उपयोग कर रहे हैं. यह पल्प लंबे समय तक कोल्ड स्टोरेज में रखा जाता है और बाद में जूस बनाने में इस्तेमाल किया जाता है. खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार यदि फ्रोजन पल्प को निर्धारित माइनस तापमान पर लगातार सुरक्षित रखा जाए तो सामान्यत: इससे कोई समस्या नहीं होती. लेकिन कोल्ड चेन टूटने या तापमान नियंत्रण में गड़बड़ी होने पर पल्प की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और उसके खराब होने की आशंका बढ़ जाती है.

ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों की मेजबानी को तैयार इंदौर

▶ व्यवस्थाएं पूरी, इंदौर में होगा कृषि का वैश्विक संगम

इंदौर. इंदौर में 9 से 13 जून तक होने वाले ब्रिक्स कृषि सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है. शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सुरक्षा, आवास, यातायात, स्वच्छता, चिकित्सा और अतिथि सत्कार सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए.

उन्होंने कहा कि यह आयोजन इंदौर और मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ काम करते हुए प्रतिनिधियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं. सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि कृषि नवाचार, खाद्य सुरक्षा, कृषि अनुसंधान, सतत कृषि विकास, आधुनिक तकनीक और किसानों की आय वृद्धि जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे. आयोजन में तकनीकी सत्र, विशेषज्ञ संवाद और अनुभव साझा करने के कार्यक्रम भी होंगे.

सांसद ने ग्राम पंचायतों के लिए 10 पेयजल टैंकरों को किया रवाना

इंदौर. भीषण गर्मी और जलसंकट की स्थिति को देखते हुए सांसद शंकर लालवानी ने संसदीय क्षेत्र इंदौर की ग्रामीण विधानसभा राऊ, देपालपुर एवं सांवेर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 10 पेयजल टैंकरों को रवाना किया. इस अवसर पर उन्होंने राजवाड़ा पहुंचकर लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा जनकल्याण और सेवा के संकल्प को दोहराया.

सांसद लालवानी ने कहा कि गर्मी के मौसम में कई ग्राम पंचायतों में जलस्तर घटने के कारण पेयजल की समस्या उत्पन्न होती है. ऐसे समय में ग्रामीण नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है. आवश्यकता वाले क्षेत्रों में तत्काल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर राहत कार्यों को गति दी जा रही है. उन्होंने बताया कि राऊ, देपालपुर एवं सांवेर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में इन 10 टैंकरों के माध्यम से नियमित रूप से पेयजल पहुंचाया जाएगा। इससे हजारों ग्रामीण परिवारों को राहत मिलेगी तथा जल संकट की स्थिति से निपटने में सहायता प्राप्त होगी. इस अवसर पर मोहनसिंह काछवा, रामस्वरूप गहलोत, दिलीप पटेल, विक्रम सिंह रोजड़ी, राजेन्द्र पटेल, सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे.

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अंतिम तिथि 15 जून

इंदौर. मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की तैयारी के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा के निर्देशन में संयुक्त कलेक्टर एवं सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी संबंधित रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में समस्त कार्यवाही पूर्ण करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाए.

एक नजर में

सेंट्रल बैंक का मेगा कृषि ऋण आउटरीच कायक्रम

इंदौर. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा देवास जिले के सिरोलिया ग्राम में मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि उपकरण ऋण, डेयरी एवं पशुपालन ऋण तथा अन्य सरकार समर्थित वित्तीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना था. कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख सुमन कुमार सिंह, आंचलिक कार्यालय भोपाल से आई उपमहाप्रबंधक ओलिविया परेरा, सिरोलिया के शाखा प्रमुख राजेश राऊत एवं मुख्य अतिथि के रूप में एनआरएलएम की एरिया बिजनेस मैनेजर ज्योति महेश्वरी, सिरोलिया के जनपथ सदस्य राकेश मंडलोई की गरिमामयी उपस्थिती थी. एसके सिंह ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया किसानों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक ने कृषि कार्य हेतु बैंक की ऋण सुविधायें आकर्षक ब्याज दर एवं न्यूनतम प्रभार के साथ सभी किसानों के लिये उपलब्ध है. कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, महिला समूहों एवं ग्रामीण ग्राहकों को बैंक की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा उन्हें लाभान्वित करना था. इस अवसर पर बैंक द्वारा प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइज, किसान क्रेडिट कार्ड तथा स्वयं सहायता समूह लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए. इसके साथ कैंपेन अवधि के दौरान बैंक को विभिन्न योजनाओं से 52 करोड़ के लीड्स प्राप्त हुए जिसमें से 35 करोड़ राशि के ऋण स्वीकृत किए गए.

भारत नृत्य महोत्सव में जाह्नवी को सफलता

इंदौर. काला अकादमी ऑडिटोरियम, पणजी में आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता एवं महोत्सव भारत नृत्य महोत्सव में देश-विदेश की प्रतिभाओं ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया. इस अवसर पर जाह्नवी शर्मा, जिन्होंने अपने गुरु अर्चना बनर्जी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, ने भारतीय शास्त्रीय एवं अर्ध-शास्त्रीय नृत्य शैली में उत्कृष्ट प्रस्तुति दी. जाह्नवी शर्मा की प्रस्तुतियों को निर्णायकों एवं दर्शकों द्वारा अत्यंत सराहा गया. उनकी नृत्य अभिव्यक्ति, तकनीक एवं मंचीय प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया. आयोजकों द्वारा उन्हें इंटरनेशनल मेरिट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। उनके गुरु श्रीमती अर्चना बनर्जी के कुशल मार्गदर्शन को इस सफलता का महत्वपूर्ण आधार माना गया.

'बरेली के बच्चन' परिवार करेगा धमाल!

इंदौर. बरेली अब सिर्फ अपने मशहूर झुमके के लिए नहीं, बल्कि बच्चन परिवार के लिए भी सुर्खियों में आने वाला है, जो ज़िंदगी को मज़ेदार अंदाज़ में 'जुगाड़' की फिलॉसफी से जी रहा है. एक जर्जर घर के दरवाज़े खोलते हुए कलर्स लेकर आ रहा है नया ड्रामेडी शो 'बरेली के बच्चन', जहां दरारें गहरी हैं, अफरा-तफरी हमेशा रहती है और बिगड़ी हुई परंपरा ही रिवाज़ बन चुकी है स्वागत है बच्चन परिवार के घर में, जहां औरत का स्पर्श इतने सालों से गायब है कि दीवारें भी उसे भूल चुकी हैं. इस घर के बीचोंबीच है कृष्णा, दूसरा बेटा, जिसे सब प्यार से बोल बच्चन कहते हैं पेशे से ड्राइवर, हमेशा दुल्हन ढूंढने का सपना देखने वाला और टूटते घर में भी स्वर्ग देखने वाला. सबसे बड़ा बेटा गंगा उर्फ भोले बच्चन है, जो घर का अनऑफिशियल मां जैसा किरदार निभाता है, लेकिन उसकी कुर्बानियां अक्सर अनदेखी रह जाती हैं. तीसरा भाई सतलुज यानी एंग्री बच्चन हमेशा गुस्से में रहता है, क्योंकि उसे पता है कि यह परिवार स्थिरता से ज़्यादा इनकार पर टिका है. सबसे छोटा माही यानी छोटा बच्चन, जेन ज़ी सोशल मीडिया का दीवाना है, जो परिवार की रोज़मर्रा की अफरा-तफरी को मज़ेदार अंदाज़ में दुनिया के सामने रखता है. इस अजीबोगरीब कुनबे का मुखिया है अजाब सिंह, बड़े बच्चन- शराबी पिता, जो अपनी ढलती हुई हुकूमत और पुराने कंट्रोल से चिपके रहते हैं. इस उलझे-पलटे ससुराल में कदम रखती है संगम, जिसकी शादी कृष्णा से गलती से हो जाती है और जो इस घर के रोज़ाना के जुगाड़ों के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है. 'बरेली के बच्चन' का प्रीमियर 8 जून से, कलर्स चैनल पर और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा.

पोहा इंदौर का दिल, सेव उसकी धड़कन : महापौर

▶ विश्व पोहा दिवस पर शहर में हुए विभिन्न आयोजन

इंदौर. विश्व पोहा दिवस शहर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन कर पोहे बांटे गए और लोगों को इसकी महत्ता बताई गई. इन कार्यक्रमों में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव व अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की. बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजनों को उत्सव का रूप दे दिया।

विश्राम बाग में इंदौरी पोहा, इंदौरी बात महापौर के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ पार्षद योगेश गेदर, भाजपा नगर उपाध्यक्ष भारत पारख, महापौर प्रतिनिधि शैलू दवे, भावेश दवे एवं रमेश खत्री सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे. आयोजन में शहर के प्रमुख पोहा निर्माताओं का महापौर द्वारा सम्मान भी किया गया. महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर में पोहा केवल नाश्ते का व्यंजन नहीं, बल्कि शहर की संस्कृति और पहचान है. पोहा इंदौर का दिल है, तो सेव उसकी धड़कन. इसके बाद राजमोहल्ला में निलेश भूतड़ा और मधुसूदन बालिका की संस्था प्रेम किरण के नि:शुल्क पोहा वितरण समारोह में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भाग लेकर पोहा उत्सव मनाया. राजबाडा पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं और लोगों के साथ पोहे का आनंद लिया. मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में पोहे के लिए किसी एक दिन की जरूरत ही नहीं है. यहां तो सुबह की शुरुआत ही पोहे से होती है और अतिथियों का सत्कार भी पोहे से होता इसलिए हम सबके लिए हर दिन ही पोहा दिवस है. इसी तरह विधानसभा 2 में विधायक रमेश मेंदोला ने पोहा उत्सव में भाग लिया और आम जन को पोहा को इंदौर की पहचान और उसकी महत्ता बताई. द हब में आयोजित इस सामुदायिक उत्सव में फॉर्च्यून पोहा से तैयार सौ विभिन्न प्रकार के पोहा व्यंजनों का अनूठा प्रदर्शन किया गया. यहां सैकड़ों लोगों को पोहा परोसा गया.

विश्व साइकिल दिवस पर निकली साइकिल रैली, फिट इंडिया का दिया संदेश

इंदौर. विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर क्रीड़ा भारती मालवा द्वारा आयोजित साइकिल रैली में विधायक रमेश मेंदोला ने सहभागिता कर फिट इंडिया का संदेश दिया. राजबाड़ा से प्रारंभ हुई इस रैली में शहर के खिलाड़ियों, युवाओं, बच्चों एवं वरिष्ठजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

रैली का उद्देश्य नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा साइकिल चलाने के लाभों का संदेश देना था. इस दौरान प्रतिभागियों ने नियमित व्यायाम और साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया. कार्यक्रम में अर्जुन अवार्डी एवं क्रीड़ा भारती मालवा प्रांत अध्यक्ष हरीश डागुर, प्रांत सचिव हरदीप सिंह रुप्पल, अभय लक्कड़, राजू गौतम, गोवर्धन, रंजन पंवार, संगीता, दक्ष सिंह गौड़, वीरेंद्र पंवार, योगेश पुरोहित, राकेश मिश्रा, प्रेम दुआ, मिथलेश तथा राकेश सिरसिया सहित विभिन्न खेल संस्थाओं के खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

1.25 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिला महाविद्यालय आवंटन

इंदौर. प्रदेश के महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए द्वितीय चरण की आवंटन सूची जारी कर दी गई है. इस चरण में प्रदेशभर के 1 लाख 25 हजार 917 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की गई है. जारी सूची के अनुसार स्नातक स्तर पर 93 हजार 546 विद्यार्थियों तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 32 हजार 371 विद्यार्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं. द्वितीय चरण में महाविद्यालय आवंटित विद्यार्थियों को 7 से 13 जून 2026 के बीच निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी.

लघुकथा लिखना चुनौतीपूर्ण कार्य

इंदौर. लघुकथा लिखना आसान नहीं कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य है. एक गंभीर लघुकथा लिखने में लघुकथाकार को लंबा समय लग जाता है. डॉ. योगेंद्रनाथ शुक्ल की लिखी लघुकथाओं में भाषा, शिल्प की सादगी के साथ गहराई और मौलिकता है.

यह बात वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यकांत नागर ने कही. वे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. योगेन्द्र नाथ शुक्ल के चतुर्थ हिंदी लघुकथा संग्रह चुप्पी के नेपथ्य में और 13वीं अनूदित कृति बदलता भारत (उर्दू) के लोकार्पण अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे. विचार प्रवाह साहित्य मंच के बैनर तले इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में आयोजित लोकार्पण समारोह की मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधीक्षक राजभाषा, देवी अहिल्याबाई होलकर विमानपत्तन, इंदौर नाजमा खान थीं. पुस्तक चर्चाकार वरिष्ठ प्राध्यापक (सेवानिवृत्त) डॉ. हदीस अंसारी ने थे. वरिष्ठ लेखिका सुषमा दुबे ने कहा कि यह लघुकथा संग्रह किसी कार्यशाला की भांति है जिसमें शामिल लघुकथाएं पढ़कर सीखा जा सकता है. पुस्तकों के लोकार्पण अवसर पर मंच पर मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति के सभापति राष्ट्रकवि सत्यनारायण सत्तन और इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी की भी उपस्थिति रही.

बच्चों ने सीखीं कलाएं और जीवन में उन्नति के सूत्र

▶ समाज सेवा प्रकोष्ठ का नि:शुल्क बाल व्यक्तित्व विकास शिविर संपन्न

इंदौर. समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 139 वाँ निशुल्क बाल व्यक्तित्व विकास शिविर मालवीय नगर के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल में पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ.

कार्यक्रम में शुभलक्ष्मी महिला सहकारी बैंक की अध्यक्ष सुषमा मालू, प्रसिद्ध नृत्यांगना और नृत्य गुरु डॉ. निवेदिता पंड्या, वरिष्ठ साहित्यकार ब्रजेश कानूनगो तथा शिक्षाविद कामिनी साहू विशेष तौर पर उपस्थित थे. सुषमा मालू ने हुए कहा कि रचनात्मकता एवं कौशल का विकास उनके भावी जीवन को उज्ज्वल एवं सफल बनाएगा. वे शिविर में सिखाई गई बातों को जीवन में उतारें. इसके पूर्व शिविर के विभिन्न सत्रों में शिविरार्थी बच्चों को चित्रकला, संगीत, अभिनय, क्राफ्ट, नृत्य, साहित्य, योग, विज्ञान, कृत्रिम बौद्धिकता सहित अनेक विषयों और व्यक्तित्व निर्माण के लिए जीवन के कई पक्षों की जानकारी प्रदान की गई नृत्यांगना डॉ. निवेदिता पंड्या ने लोकनृत्य और शास्त्रीय नृत्यों के बारे में जानकारी दी. वरिष्ठ साहित्यकार ब्रजेश कानूनगो ने कहा कि बच्चे जो कुछ भी देखें, पढ़ें उसे पूरी तरह समझने के उपाय अवश्य करें. जो कुछ जाने उस पर मनन अवश्य करें तभी वह आत्मसात होगा. चित्रकला, क्राफ्ट, डायरी लेखन, अभिनय, योग आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं साथ सभी शिविरार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र अतिथियों तथा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आलोक खरे ने प्रदान किए. शिविर में तंग बस्तियों के 150 से अधिक बालक बालिकाओं ने सहभागिता की. संचालन सुबोध भौरासकर ने तथा आभार प्रदर्शन बीआर जाटव ने किया.

गांधी हॉल में संपन्न हुआ इंदौरी रत्न अवॉर्ड 2026

इंदौर. संस्था इंदोरियनस द्वारा गांधी हॉल में आयोजित इंदौरी रत्न अवॉर्ड 2026 समारोह में समाज, शिक्षा, कला, संस्कृति, चिकित्सा एवं सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 14 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य इंदौर का नाम रोशन करने वाले प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सम्मान देना था.

समारोह में धर्मेंद्र पुरी महाराज, प्रो. डॉ. शंकर लाल गर्ग, भेरू सिंह चौहान, शुभा वैद्य, शोभा चौधरी, ज्ञानेंद्र-मोनिका पुरोहित, शंकर रघुवंशी, गिरीश शर्मा, डॉ. अजय हार्डिया एवं रागिनी मक्कड़ सहित अन्य प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। वहीं धनुश्री चौहान व आर्या चौधरी को यंग अचीवर तथा कुरांगी विजयश्री नागराज को चाइल्ड अचीवर अवॉर्ड प्रदान किया गया. कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी समां बांधा. इंटरनेशनल नाद योग ग्रुप के नृत्य, गायक चिंतन बाकीवाला की संगीतमय प्रस्तुति, कॉमेडियन दीपक नीमा के हास्य प्रदर्शन और हार्मनी बैंड की लाइव परफॉर्मेंस ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया. समारोह में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

एक नजर में ▶ **कैमरे पकड़ रहे रेड हॉट प्वाइंट- फाल्ट से पहले ही अलर्ट!**

शहर की बिजली लाइनों पर थर्मल कैमरे की नजर

नवभारत न्यूज

इंदौर. अब इंदौर की हाईटेंशन बिजली लाइनों पर सिर्फ इंसान नहीं, बल्कि 'थर्मल नजर' भी निगरानी कर रही है. बिजली वितरण कंपनी ने शहर में ऐसा तकनीकी सिस्टम लागू किया है, जो लाइनों के भीतर छिपी गर्मी की हलचल को पकड़कर संभावित बड़े फाल्ट से पहले ही चेतावनी दे रहा है.

शहर की 33 केवी और 11 केवी लाइनों पर थर्मोविजन कैमरों की तैनाती के बाद बिजली व्यवस्था अब पहले से कहीं ज्यादा 'स्मार्ट' हो गई है. ये कैमरे उन छोटे-छोटे 'रेड हॉट प्वाइंट्स' को भी पकड़ रहे हैं, जो आगे चलकर बड़े ब्रेकडाउन या ब्लैकआउट की वजह बन सकते थे.

40 फीट दूर से पकड़ में आ रहा खतरा-इन कैमरों की खासियत यह है कि ये 20 से 40 फीट दूर से ही लाइनों और ग्रिड में बढ़ते तापमान को भांप लेते हैं. जहां आम नजर को कुछ भी असामान्य नहीं दिखता, वहीं ये कैमरे 'छिपी हुई गर्मी' को रेड अलर्ट में बदल देते हैं. जैसे ही कोई हॉट स्पॉट मिलता है, सिस्टम तुरंत इंजीनियरों और मेंटेनेंस टीम को अलर्ट भेज देता है. फिर तय प्रक्रिया के तहत सिर्फ 5 से 10 मिनट के लिए सप्लाई रोककर उस जगह की मरम्मत कर दी जाती है- और बड़ा फाल्ट बनने से पहले ही मामला खत्म.

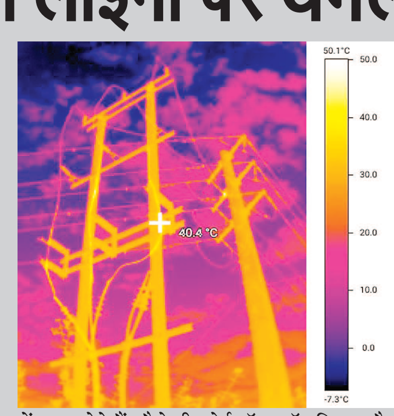

44 डिग्री की गर्मी में बनी 'लाइफलाइन'

मई महीने की भीषण गर्मी, जब तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया था और बिजली की मांग चरम पर थी, उसी दौरान इन कैमरों ने सबसे बड़ी परीक्षा पास की. ओवरलोड और गर्मी के कारण लाइनों में बढ़ रही थर्मल एक्टिविटी को समय रहते पकड़कर कई बड़े फॉल्ट टाल दिए गए. अधिकारियों का कहना है कि पहले जहां अचानक ट्रिपिंग और बड़े फाल्ट की घटनाएं ज्यादा होती थीं, अब उनमें साफ कमी देखी जा रही है.

डेढ़ से दो लाख की आंखें, जो बिजली को बचा रही हैं

इन हाईटेक कैमरों की कीमत लगभग 1.5 से 2 लाख रुपये तक है. लेकिन यह तकनीक अब बिजली व्यवस्था के लिए 'नुकसान रोकने वाली इन्वेस्टमेंट' साबित हो रही है. इनका इस्तेमाल सिर्फ बिजली सेक्टर में ही नहीं, बल्कि स्टील और भारी उद्योगों में भी होता है, जहां गर्मी और करंट की निगरानी बेहद जरूरी होती है.